

क्या सूक्ष्मजीव आपको मोटा बनाते हैं?

एक प्रयोग के दौरान जब कुछ चूहों में मोटापे से ग्रस्त मनुष्यों की आंतों के बैक्टीरिया रोप दिए गए तो उन चूहों का वज़न ज़्यादा बढ़ा बनिस्बत उन चूहों के जिन्हें दुबले-पतले व्यक्तियों के बैक्टीरिया दिए गए थे। इस प्रयोग के निष्कर्ष वेनेसा रिडौरा और उनके साथियों ने *साइन्स* नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित किए हैं।

हमारा शरीर अरबों बैक्टीरिया के निवास स्थान हैं और ये सूक्ष्मजीव हमारी सेहत ही नहीं हमारे वज़न को भी प्रभावित करते हैं। उपरोक्त प्रयोग में कुछ चूहों को मोटे मनुष्यों की आंतों के सूक्ष्मजीव दिए गए और कुछ चूहों को दुबले-पतले मनुष्यों के। मोटे मनुष्यों के सूक्ष्मजीवों ने चूहों को भी मोटा कर दिया। और तो और, जब मोटे और दुबले-पतले चूहों के सूक्ष्मजीवों की अदला-बदली की गई तो मोटे चूहों की आंतों के सूक्ष्मजीवों में कुछ लाभदायक परिवर्तन देखे गए - मोटे चूहों ने दुबले-पतले चूहों के कुछ सूक्ष्मजीवों को अपना लिया। इससे उनका चयापचय भी बेहतर हुआ।

मगर सूक्ष्मजीवों की अदला-बदली का यह लाभदायक असर तभी हुआ जब मोटे वाले चूहों को रेशों से भरपूर, कम

संतृप्त वसा वाले भोजन पर रखा गया था। यदि उन्हें जंक फूड पर रखा गया तो अदला-बदली के बावजूद कोई सुधार नहीं हो पाया।

शोधकर्ता यह कहने से बच रहे हैं कि इस तरह की अदला-बदली का असर मनुष्यों में कैसा होगा और उनके वज़न या स्वास्थ्य पर क्या असर होगा। जिन चूहों पर प्रयोग किए गए उन्हें जीवाणु-मुक्त वातावरण में पाला गया था, उनकी आंतों में अपना कोई सूक्ष्मजीव संघटन नहीं था।

वैसे तो आजकल विषा प्रत्यारोपण को एक चिकित्सकीय तकनीक के रूप में अपनाया जा रहा है मगर अभी इसे काफी गंभीर परिस्थितियों के लिए ही इस्तेमाल किया जाता है। मात्र फूलती तोंद के लिए इसका उपयोग अभी नहीं हुआ है। एक तथ्य यह भी है कि दही जैसे प्रोबायोटिक उत्पाद भी बहुत असरकारक नहीं रहे हैं। अलबत्ता, इतना तो कहा जा सकता है कि आपका पेट बाहर से जैसा भी दिखता हो, उसका सम्बंध इस बात से है कि अंदर क्या चल रहा है, खास तौर से अंदर बसे सूक्ष्मजीव क्या कारगुज़ारी कर रहे हैं। (*स्रोत फीचर्स*)